University in News on 16 June 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

डॉ. भावना मिश्रा बनीं लविवि की कुलसचिव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। डॉ. भावना मिश्रा को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। शासन के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी की ओर से रविवार को इसका आदेश जारी कर दिया गया।

डॉ. भावना मिश्रा।

डॉ. भावना मिश्रा इस समय ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तैनात हैं। इससे पहले भी वे लविवि में उप-कुलसचिव के पद पर काम कर चुकी हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव का पद काफी समय से खाली था। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ही कुलसचिव पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे थे। डॉ.भावना मिश्रा ने शनिवार को लविवि में कार्यभार ग्रहण करने की बात कही है।

परीक्षा नियंत्रक के पास था कुलसचिव पद का अतिरिक्त प्रभार

कब मिलेगा नियमित वित्त नियंत्रक

लविवि को लंबे समय के बाद नियमित कुलसचिव मिल गया, लेकिन अभी भी वित्त नियंत्रक का पद अतिरिक्त प्रभार के भरोसे ही चल रहा है। पिछले चार साल की अवधि में यहां महज कुछ ही महीनों के लिए नियमित वित्त नियंत्रक की तैनाती हुई है। इसके बाद से अतिरिक्त प्रभार के सहारे वित्त संबंधी अहम मामले निपटाए जा रहे हैं।

लविवि : प्रोवोस्ट बनीं डॉ. शालिनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पाश्चात्य इतिहास विभाग की प्रोफेसर डॉ. शालिनी पाठक को विश्वविद्यालय के तिलक हाल का प्रोवोस्ट बनाया गया है। इस बारे में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक डॉ. शालिनी ये पद आगामी तीन वर्षों तक अतिरिक्त प्रभार के रूप में संभालेंगी। तिलक छात्रावास की प्रोवोस्ट प्रो. भुवनेश्वरी भारद्वाज को अभिनवगुप्त संस्थान का निदेशक और डीन नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह कार्य परिषद की सदस्य भी बन गई हैं। इस वजह से उन्हें प्रोवोस्ट पद की जिम्मेदारी से अलग किया गया है। (संवाद)

NBT PAGE 4

भावना मिश्रा बनीं LU की रजिस्ट्रार

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि की परीक्षा नियंत्रक भावना मिश्रा को लखनऊ विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार बनाया गया है। शासन के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने रविवार को इसका आदेश जारी किया। एलयू में रजिस्ट्रार पद खाली होने के कारण अब तक इसका चार्ज परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के पास था। भाषा विवि से पहले भावना एलयू में ही डिप्टी रजिस्ट्रार पद पर थीं।

HINDUSTAN PAGE 8

केंद्रीय विश्वविद्यालय की श्रेणी में बीबीएयू को 19वीं और राज्य विवि की श्रेणी में केजीएमयू को मिली तीसरी रैंक

गुणवत्ता रैंकिंग में एलयू समेत कई संस्थान

आईआईआरएफ

लखनऊ, संवाददाता। इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) में लखनऊ विश्वविद्यालय, केजीएमयू, बीबीएयू समेत के कई शैक्षिक संस्थानों ने जगह बनाई है। दो निजी विश्वविद्यालयों को भी अलग-अलग पाठ्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन के लिए सूची में शामिल किया गया है। आईआईआरएफ ने प्रवेश, फीस, परीक्षा, प्लेसमेंट और पाठ्यक्रम मानकों के आधार पर मूल्यांकन कर रैंकिंग जारी की है।

एलयू के कई विभागों को जगह: राज्य विश्वविद्यालय की श्रेणी में केजीएमयू ने ऑल इंडिया तीसरी, लखनऊ विश्वविद्यालय ने पांचवी तथा एकेटीयू ने 21वीं रैंक हासिल की है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ऑल इंडिया रैंक 25वीं हासिल हुई है। पिछले वर्ष 32वीं रैंक थी। बेस्ट बिजनेस स्कूल्स में एलयू के डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन को ऑल इंडिया में 38वीं, बेस्ट एमबीए स्कूलों की श्रेणी में एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस को पहला स्थान मिला है।

बीबीएयू की रैंक फिसली, 12वीं से पहुंचा 19 पर

केंद्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू को ऑल इंडिया रैंक 19 और स्टेट में तीसरा स्थान मिला है। 2024 में ऑल इंडिया रैंक 12वीं थी। इसके अलावा विधि में बीबीएयू ने ऑल इंडिया 13 और स्टेट में दूसरी रैंक हासिल की है। विधि में डॉ. राममनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय को ऑल इंडिया में 19 व स्टेट में चार रैंक मिली। पत्रकारिता में बीबीएयू ने ऑल इंडिया में 19वीं और राज्य में दूसरी रैंक हासिल की। केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अधीन बेस्ट एमबीए स्कूल्स की नेशनल रैंकिंग में बीबीएयू के स्कूल ऑफ मैनेटमेंट एंड कॉमर्स ने 19 रैंक प्राप्त की।

यह राष्ट्रीय मान्यता संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। उत्कृष्टता की यात्रा जारी रखने और भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में सार्थक योगदान को प्रतिबद्ध है। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति एलयू

यह उपलब्धि शिक्षण, अनुसंधान और समग्र प्रदर्शन में उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज को दिखाती है। यह एक सामूहिक सफलता है। जो शिक्षा से राष्ट्र निर्माण में योगदान को प्रेरित करती है। -प्रो. राज कुमार मित्तल, कुलपति, बीबीएयू

पत्रकारिता में छाये निजी विश्वविद्यालय

पत्रकारिता में केंद्रीय विश्वविद्यालय बीबीएयू को ऑल इंडिया में 19वीं और राज्य में दूसरी रैंक मिली है। इसके अलावा लखनऊ के चार निजी विश्वविद्यालयों ने रैंक हासिल किया है। एमिटी स्कूल ऑफ कम्यूनिकेशन ऑल इंडिया-32, बीबीडी को 75वीं, श्री राम स्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑल इंडिया-77 वीं, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स को 85वीं रैंक मिली है।

आईआईएम को चौथी रैंक: बेस्ट बिजनेस स्कूल्स में आईआईएम लखनऊ को ऑल इंडिया चार, स्टेट एक, राज्य सरकार के अधीन बेस्ट एमबीए स्कूल्स में फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एकेटीयू को नेशनल रैंक आठ मिला। केमसी भाषा विवि के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज को 19वीं रैंक पर सफलता मिली।

बता दें कि आईआईआरएफ रैंकिंग भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों की एक प्रतिष्ठित रैंकिंग प्रणाली है, जिसे शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के सहयोग से तैयार किया जाता है।

21 रैंक हासिल की एकेटीयू ने जारी की गई सूची में

03 नंबर पर रहा बीबीएयू राज्य में केंद्रीय विवि की श्रेणी में

बीबीडी और इंटीग्रल को भी रैंकिंग में मिला मौका

द न्यू एज प्राइवेट यूनिवर्सिटी में बीबीडी को ऑल इंडिया 47, स्टेट पांच और जोन रैंक 20, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी को ऑल इंडिया 56, स्टेट सात, जोन रैंक सात मिली है। इसी तरह बीटेक और एमटेक पाठ्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन पर बीबीडी ने ऑल इंडिया रैंक 24, राज्य में तीन और जोन रैंक 10 हासिल की है। कला, विज्ञान, अनुसंधान और मानविकी के लिए बीबीडी को ऑल इंडिया 26, स्टेट तीन, जोन रैंक 10 मिली। चिकित्सा और संबद्ध पाठ्यक्रमों के लिए अच्छे प्रदर्शन पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ को ऑल इंडिया रैंक 17, स्टेट चार, जोन रैंक 11 प्राप्त हुई।

एलयू की कुलसचिव बनीं भावना मिश्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलसचिव ...

i-NEXT PAGE 4, 8

एलयू आईआईआरएफ की रैंकिंग में भी चमका

बेहतर एजुकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर होती है रैंकिंग

LUCKNOW (15 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी को आईआईआरएफ रैंकिंग में शहरी क्षेत्रों में स्थित स्टेट यूनिवर्सिटीज में राष्ट्रीय स्तर पर 5वीं रैंक मिली है. जिसको लेकर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह मान्यता हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियो के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है. यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावशाली शोध और समावेशी शैक्षणिक विकास पर हमारे निरंतर ध्यान को दर्शाता है.

इन बेसेस पर रैंकिंग

आईआईआरएफ रैंकिंग भारत में हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट्स के सबसे व्यापक मूल्यांकनों में से एक है. जिसमें प्लेसमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च, एजुकेशन और भविष्य की दिशा के आधार पर मूल्यांकन कर रैंकिंग दी जाती है. लखनऊ यूनिवर्सिटी के इन सभी बिंदुओं के आधार पर 1000 में से 951.62 स्कोर के साथ 5वीं रैंकिंग मिली है.

बीबीएयू को 19वीं रैंक

आईआईआरएफ रैंकिंग में बाबा साहेब भीमराव यूनिवर्सिटी ने भारत की सेंट्रल यूनिवर्सिटीज की कैटेगरी में 19वीं रैंक हासिल की है. जिसको लेकर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि एजुकेशन, रिसर्च और संस्थागत प्रदर्शन में उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज को दर्शाती है. यह एक सामूहिक सफलता है जो हमें अपने मानकों को और ऊपर उठाने और शिक्षा एवं नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करने के लिए प्रेरित करती है.

एग्रीकल्चर प्रोग्राम में एडमिशन प्रक्रिया शुरू

lucknow@inext.co.in

4 साल के डिग्री कोर्स के लिए कर सकते हैं आवेदन

LUCKNOW (15 JUNE): लखनऊ यूनिवर्सिटी में इस साल से एग्रीकल्चर प्रोग्राम की भी शुरुआत होने जा रही है. जिससे स्टूडेंट्स एग्रीकल्चर की पढ़ाई करके एक बेहतर भविष्य की तरफ कदम बढ़ा सकते हैं. एग्रीकल्चर में फिलहाल यूनिवर्सिटी में बीएससी ऑनर्स कोर्स की शुरुआत होगी, ये कोर्स 4 साल का होगा, जिसमें स्टूडेंट्स को ना सिर्फ थ्योरेटिकल बल्कि प्रैक्टिल नॉलेज भी मिलेगी.

स्टूडेंट्स के लिए लैब

एग्रीकल्चर में सॉइल मैनेजमेंट एंड रिसर्च के लिए स्टूडेंट्स के लिए लैब भी बनाई जाएगी ताकि स्टूडेंट्स प्रैक्टिकल के माध्यम से चीजें सीख सकें. इस कोर्स में एडमिशन एंट्रेंस टेस्ट में मिले मार्क्स के बेस पर होगा.

एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीएससी ऑनर्स में कुल 120 सीटों पर एडमिशन लिए जाएंगे, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रोसेस शुरू हो गई है. जिसमें एडमिशन के लिए इंटरेस्टेड स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. ज्यादा जानकारी के लिए यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करें

HT PAGE 4

{ IIRF 2025 }

BBAU 19th among top central varsities, LU 5th among urban state institutes

IIRF ranking evaluates institutions based on various parameters

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) has been ranked 19th among the top central universities in India, while the University of Lucknow secured the 5th position nationally in the category of state universities located in urban regions, according to the Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) 2025.

"We are immensely proud to be ranked among the top central universities in India by the IIRF," said prof Raj Kumar Mittal, vice-chancellor of Babasaheb Bhimrao Ambedkar University in a press release on Sunday.

BBAU has retained its position since last year, underscoring the university's steadfast commitment to academic excellence, innovative research, and holistic student development.

BBAU has retained its position since last year, and (right) LU has excelled across all evaluation parameters SOURCED

The latest IIRF ranking reflects the consistent efforts of its distinguished faculty, talented students, and strong administrative support, he added.

Prof Mittal added, "It is a collective success that motivates us to further elevate our standards and contribute significantly to nation-building through education and innovation."

LU spokesperson Dr Durgesh Kumar Srivastava informed that for the first time, publicly funded state universities (excluding medical and technical institutions) have been included in the IIRF rankings. In this newly introduced category, the University of Lucknow has emerged as the top-ranked university in Uttar Pradesh and secured third position nationally, following Panjab University and Andhra University. The University of Lucknow has excelled across all evaluation parameters, securing an impressive score of 951.62 out of 1000.

LU vice-chancellor, Prof Alok Kumar Rai, said, "This national recognition is a testament to the collective dedication of our faculty, students, and staff. It highlights our consistent commitment to quality education, impactful research, and inclusive academic development. The university remains steadfast in its pursuit of excellence and its contribution to India's higher education landscape."

The IIRF ranking evaluates institutions based on various parameters, including placement performance, teaching learning resources & pedagogy, research (volume, income and reputation), industry income and integration, placement strategies & support, future orientation, and external perception & international outlook. In addition to this IIRF ranking, BBAU also holds the 33rd rank among the top universities in India according to the NIRF 2024 ranking.

> This national recognition is a testament to the collective dedication of our faculty, students, and staff
>
> PROF ALOK KUMAR RAI, LU VC

ABOUT IIRF

- This recognition highlights the university's unwavering commitment to academic excellence, research innovation, and holistic development.
- The IIRF rankings are among the most comprehensive evaluations of higher education institutions in India. Universities are assessed on key performance indicators such as placement performance, teaching-learning resources and pedagogy, research, industry income and integration, placement strategy and support, future orientation, and external perception and international outlook.

PIONEER PAGE 3

आईआईआरएफ रैंकिंग में एलयू को राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में मिला पांचवा स्थान

लखनऊ। लखनऊ विवि ने शहरी क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और समग्र विकास के प्रति विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बता दें कि आईआईआरएफ रैंकिंग भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे व्यापक मूल्यांकनों में से एक है। विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन प्लेसमेंट प्रदर्शन, शिक्षण-शिक्षण संसाधन और शिक्षाशास्त्र, अनुसंधान, उद्योग आय और एकीकरण, प्लेसमेंट रणनीति और समर्थन, भविष्य की दिशा, और बाहरी धारणा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर किया जाता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मापदंडों पर असाधारण प्रदर्शन किया है, 1000 में से 951.62 का प्रभावशाली स्कोर अर्जित किया है।

भावना मिश्र बनीं नई कुलसचिव

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक भावना मिश्रा को शासन ने लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलसचिव बनाया है। भावना मिश्रा इससे पहले भी लखनऊ विश्वविद्यालय में 2011 में सहायक कुलसचिव और 2015 में उप कुलसचिव के पदों पर काम कर चुकी हैं। अब वह लवि में कुलसचिव बनीं हैं।

डा. शालिनी बनीं तिलक हास्टल की प्रोवोस्ट

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वेस्टर्न हिस्ट्री विभाग की शिक्षिका डा. शालिनी पाठक को तिलक हास्टल का नया प्रोवोस्ट बनाया है। उनका कार्यकाल तीन साल या अग्रिम आदेशों तक मान्य होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि पांचवें, 19वें स्थान पर बीबीएयू

इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की ओर से वर्ष 2025 की जारी की गई रिपोर्ट

जागरण संवाददाता • लखनऊ : आइआइआरएफ सेंटर फार इंस्टीट्यूशनल रिसर्च की ओर से इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आइआइआरएफ)-2025 रैंकिंग के परिणाम जारी किए गए हैं। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय ने शहरी क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान हासिल किया। वहीं, सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित राज्य विश्वविद्यालयों (गैर-चिकित्सा और गैर-तकनीकी) में लवि उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला, पंजाब विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है। दूसरी ओर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने भारत के शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 19वें स्थान पर जगह बनाई है। विश्वविद्यालयों ने रविवार को यह जानकारी साझा की।

लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन प्लेसमेंट प्रदर्शन, शिक्षण-शिक्षण संसाधन और शिक्षाशास्त्र, अनुसंधान, उद्योग आय और एकीकरण, प्लेसमेंट रणनीति और समर्थन, भविष्य की दिशा, और बाहरी धारणा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण जैसे प्रमुख संकेतकों पर किया जाता है। लवि ने 1000 में से 951.62 का प्रभावशाली स्कोर अर्जित किया है।

यह रैंकिंग हमारे संकाय, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। विश्वविद्यालय उत्कृष्टता की अपनी यात्रा जारी रखने और भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

पहली बार में बीबीएयू ने पाई बड़ी उपलब्धि

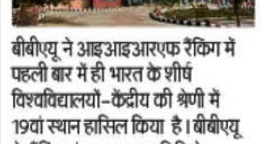

बीबीएयू ने आइआइआरएफ रैंकिंग में पहली बार में ही भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों-केंद्रीय की श्रेणी में 19वां स्थान हासिल किया है। बीबीएयू के रैंकिंग एंड प्रत्यायन समिति के चेयरपर्सन प्रोफेसर कुशेंद्र मिश्रा ने बताया कि आइआइआरएफ रैंकिंग विश्वविद्यालयों की वेबसाइट पर अपलोड आंकड़ों एवं अभिलेखों के आधार पर की जाती है। बीबीएयू की यह रैंकिंग पहली बार है। इसमें 961.1 का स्कोर मिला है। इससे पहले विश्वविद्यालय को एनआइआरएफ 2024 रैंकिंग में भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में 33वां स्थान भी मिल चुका है। 9:1 के छात्र-संकाय अनुपात, 250 एकड़ के विशाल परिसर और 102 पाठ्यक्रमों की विविध श्रृंखला के साथ, बीबीएयू पूरे देश से प्रतिभाओं को आकर्षित और पोषित करना जारी रखता है। विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट रिकार्ड भी अच्छा है, जिसमें उच्चतम अंतरराष्ट्रीय पैकेज 45 लाख रुपये प्रति वर्ष (एलपीए) और घरेलू पैकेज 12 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच गया है।

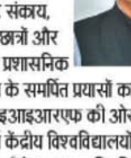

नवीनतम आइआइआरएफ रैंकिंग विश्वविद्यालय के विशिष्ट संकाय, मेधावी छात्रों और मजबूत प्रशासनिक समर्थन के समर्पित प्रयासों का प्रमाण है। हमें आइआइआरएफ की ओर से भारत के शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्थान पाकर गर्व है। यह उपलब्धि शिक्षण, अनुसंधान और समग्र संस्थागत प्रदर्शन में उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज को दर्शाती है। यह एक सामूहिक सफलता है जो हमें अपने मानकों को और ऊपर उठाने और शिक्षा और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करने के लिए प्रेरित करती है। प्रो. राज कुमार मित्तल, कुलपति, बीबीएयू।

AMRIT VICHAR PAGE 9

राज्य विश्वविद्यालयों में लविवि को पांचवां स्थान

आईआईआरएफ 2025 में 1000 में हासिल किया 951.62 का स्कोर, आंबेडकर विवि को 19वां स्थान मिला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शहरी क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग देश में उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे व्यापक मूल्यांकन में एक है। विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन प्लेसमेंट प्रदर्शन, शिक्षण-शिक्षण संसाधन और शिक्षाशास्त्र, अनुसंधान, उद्योग आय और एकीकरण, प्लेसमेंट रणनीति और समर्थन, भविष्य की दिशा, बाहरी धारणा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर किया जाता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मापदंडों पर असाधारण प्रदर्शन कर 1000 में 951.62 का प्रभावशाली स्कोर अर्जित किया है।

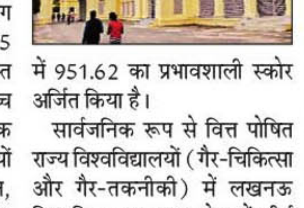

सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित राज्य विश्वविद्यालयों (गैर-चिकित्सा और गैर-तकनीकी) में लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला विश्वविद्यालय है और पंजाब विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह राष्ट्रीय मान्यता हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावशाली शोध और समावेशी शैक्षणिक विकास पर हमारे निरंतर ध्यान को दर्शाता है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने प्रतिष्ठित आईआईआरएफ (इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) 2025 रैंकिंग में भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों केंद्रीय की श्रेणी में 19वां स्थान हासिल किया है। सन् 1996 में स्थापित बीबीएयू ने लगातार उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने और बौद्धिक विकास के माहौल को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। इस अवसर पर विवि कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें आईआईआरएफ द्वारा भारत के शीर्ष केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्थान पाकर अविश्वसनीय रूप से गर्व है।

भाषा विवि को मिली बी प्लस प्लस रैंक

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय को नैक टीम ने बी प्लस प्लस ग्रेड दिया है। इस महीने के प्रथम सप्ताह में ही तीन दिनों तक राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया था। नैक टीम ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता समेत अनेक बिंदूओं पर गहनता से निरीक्षण किया था। जिसके बाद विश्वविद्यालय को सीजीपीए मूल्यांकन के आधार पर 2.86 अंकों के साथ बी ग्रेड से नवाज़ा है। स्थापना के बाद भाषा विश्वविद्यालय को मिला ये ग्रेड बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने नैक पीयर टीम को धन्यवाद देने के साथ कहा है कि यह निरीक्षण विश्वविद्यालय परिवार के लिए आत्मविश्लेषण का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। नैक पीयर टीम द्वारा दिए गए सुझावों का पालन करते हुए हम अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को और भी बेहतर बनाएंगे। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सोबान साईद ने इस अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता कुलपति प्रो. अजय तनेजा के नेतृत्व और समस्त विश्वविद्यालय परिवार की मेहनत का नतीजा है। कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने कहा कि नैक ग्रेडिंग ने दर्जा दिलाया है, जो काफ़ी सुखद लगता है।

एनआईआरएफ में बीबीएयू को 33 वां स्थान

बीबीएयू ने एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग के अनुसार भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में 33वां स्थान भी हासिल किया है। 9:1 के छात्र-संकाय अनुपात, 250 एकड़ के विशाल परिसर और 102 पाठ्यक्रमों की विविध श्रृंखला के साथ बीबीएयू पूरे देश से प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय ने प्लेसमेंट रिकॉर्ड भी कायम किया है जिसमें उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय पैकेज 45 लाख रुपये प्रति वर्ष (एलपीए) और घरेलू पैकेज 12 लाख रुपये प्रति वर्ष तक पहुंच गया है।

योग | लविवि में षट्कर्म पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

फेफड़ों को ठीक रखने में गौमुखासन लाभदायक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के क्रम में निरंतर योग कार्यक्रम किया जा रहा है। योग सभागार में योगासनों का शरीर पर प्रभाव विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें योग के जानकारों ने विचार रखे।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला जबकि डॉ. कैलाश कुमार व योगाचार्य दीपा श्रीवास्तव ने बताया कि योग शारीरिक अभ्यास होने के साथ ही साथ मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है योग भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है। डॉ. कैलाश ने बताया कि फेफड़ों को ठीक रखने के लिए गौमुखासन, वक्रासन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए वशिष्ठ आसन, वातायन आसन का अभ्यास करना चाहिए।

संकाय के कोआर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग का अभ्यास शरीर एवं मन, विचार एवं कर्म की शक्ति को बढ़ाता है जो मात्र व्यायाम ही नहीं, बल्कि स्वयं के साथ विश्व प्रकृति के साथ एकत्व खोज का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता पैदा करता है। आसनों के अभ्यास से रक्त संचार तीव्र होता है शरीर के विजातीय तत्व बाहर निकलते हैं। पवनमुक्तासन, धनुरासन से पाचन संस्थान सही होता है। हृदय स्वस्थ रखने के लिए हस्त उत्तानासन, अर्ध चक्रासन रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने के लिए सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए। इस अवसर पर फैकल्टी के शिक्षक डॉ. रामनरेश, डॉ. रामकिशोर व फैकल्टी के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

षट्कर्म पर हुई कार्यशाला

योग सभागार में षट्कर्म कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें योगाभ्यास में षट्कर्मों का महत्व बताया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि षट्कर्म योग की वह विशेष प्रणाली है, जो शरीर, मन और ऊर्जा-तंत्र की शुद्धि के लिए की जाती है। आज के तेज़ गति वाले और तनावपूर्ण जीवन में शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक प्रदूषण हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। अनियमित खानपान, प्रदूषित पर्यावरण, डिजिटल युग की अधिकता, मानसिक तनाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता की गिरावट ये सभी समस्याएं हमारे शरीर और मन को विषाक्त बना रही हैं।

दमा और सांस के मरीज करें नेति और कपालभांति

नेति और कपालभांति जैसे षट्कर्म वायु प्रदूषण से प्रभावित श्वसन तंत्र की सफाई करते हैं, जिससे दमा, एलर्जी, और साइनस जैसे रोगों से राहत मिलती है। त्राटक क्रिया आंखों को स्वस्थ रखने के साथ- साथ एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता को बढ़ाती है, जो आज के डिजिटल युग में अत्यंत आवश्यक है। षट्कर्म शरीर को विषाक्त तत्वों से मुक्त कर रोग प्रतिरक्षण प्रणाली को सशक्त करता है। योगाचार्य अर्जुन कुमार श्रीवास्तव ने षट्कर्मों का अभ्यास कराया जैसे नेती, त्राटक, कपालभात आदि।

दिव्यांग करें सूक्ष्म योगाभ्यास

केजीएमयू में दिव्यांगजनों के लिए योगाभ्यास शिविर का आयोजन लविवि योग संकाय ने किया। प्रो. आरएएस कुशवाहा डीन स्टूडेंट वेलफेयर केजीएमयू डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, बलराम श्रीवास्तव, प्रदीप गंगवार, वीरेंद्र कुमार दीक्षित भी उपस्थित थे। दिव्यांगों के लिए सूक्ष्म योगाभ्यास, प्राणयाम आदि की जानकारी दी गई।

TOI PAGE 1, 3

Scoring 95%, LU ranks 5th in IIRF 2025

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: In the category of state universities located in urban regions, Lucknow University secured fifth position at national level in the Indian Institutional Ranking Framework (IIRF) 2025, .

According to university authorities, LU performed exceptionally well across all parameters, earning an impressive score of 951.62 out of 1,000. IIRF rankings are among most comprehensive evaluations of higher education institutions in India.

▶Collective efforts, P3

Recognition proof of collective efforts: LU VC

▶Continued from P 1

Universities are assessed on key performance indicators such as placement performance, teaching-learning and pedagogy, research, industry income and integration, placement strategy and support, future orientation and external perception and international outlook. "Among publicly funded state universities (non-medical and non-technical), LU stands as top-ranked university in UP and ranks third at the national level, following Punjab University and Andhra University," said LU Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, terming the recognition a result of collective efforts.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि को राज्य विवि की श्रेणी में IIRF रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर पर मिला 5वां स्थान

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शहरी क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और समग्र विकास के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आईआईएफआर रैंकिंग भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे व्यापक मूल्यांकनों में से एक है। विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन प्लेसमेंट प्रदर्शन, शिक्षण-शिक्षण संसाधन और शिक्षाशास्त्र, अनुसंधान, उद्योग आय और एकीकरण, प्लेसमेंट रणनीति और समर्थन, भविष्य की दिशा, और बाहरी धारणा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर किया जाता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मापदंडों पर असाधारण प्रदर्शन किया है, 1000 में से 951.62 का प्रभावशाली स्कोर अर्जित किया है। सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित राज्य विश्वविद्यालयों (गैर-चिकित्सा और गैर-तकनीकी) में लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला विश्वविद्यालय है और पंजाब विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है। इस अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह राष्ट्रीय मान्यता हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावशाली शोध और समावेशी शैक्षणिक विकास पर हमारे निरंतर ध्यान को दर्शाता है।

लविवि : योग मन को रखता संतुलित

लखनऊ(एसएनबी)। लविवि के योग ...

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

योग भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के क्रम में निरंतर योग कार्यक्रम किया जा रहा है। योग सभागार में योगासनों का शरीर पर प्रभाव विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि अनिल कुमार सिंह थे। विशेषज्ञ के रूप में डॉक्टर कैलाश कुमार एवं योगाचार्य दीपा श्रीवास्तव थी। मुख्य अतिथि अनिल कुमार सिंह ने बताया कि योग शारीरिक अभ्यास होने के साथ ही साथ मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है योग भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत है। आज योग दुनिया भर में प्रचलित है और इस पारंपरिक ज्ञान से लोग स्वस्थ और रोग मुक्त हो रहे हैं।

संकाय के कोआर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है योग का अभ्यास शरीर एवं मन, विचार एवं कर्म की शक्ति को बढ़ाता है जो मात्र व्यायाम ही नहीं बल्कि स्वयं के साथ विश्व प्रकृति के साथ एकत्व खोज का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता पैदा करता है। आसनों के अभ्यास से रक्त संचार तीव्र होता है शरीर के विजातीय तत्व बाहर निकलते हैं। पवनमुक्तासन धनुरासन, आसन से पाचन संस्थान सही होता है। हृदय स्वस्थ रखने के लिए हस्त उत्तानासन, अर्ध चक्रासन रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाने के लिए सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना चाहिए।

डॉक्टर कैलाश ने बताया कि फेफड़ों को ठीक रखने के लिए गौमुखासन, वक्रासन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए वशिष्ठ आसन, वातायन आसन का अभ्यास करना चाहिए।

योगाचार्य दीपा श्रीवास्तव ने बताया कि योग हमारे मन को संतुलित रखता है योग के अभ्यास से व्यक्ति अपने कर्तव्य समाज और विश्व के प्रति जागरूक रहता है तथा अपने उत्तरदायित्व को पूर्ण करने में सक्षम रहता है। योग व्यक्ति की शारीरिक क्षमता उसके मन और भावनाओं में ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता। इस अवसर पर फैकल्टी के शिक्षक डॉ रामनरेश डॉक्टर रामकिशोर एवं फैकल्टी के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने हासिल किया भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में 5वां स्थान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने शहरी क्षेत्रों में स्थित राज्य विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आई आई आरएफ) 2025 में राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान नवाचार और समग्र विकास के प्रति विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

आई आई आरएफ रैंकिंग भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के सबसे व्यापक मूल्यांकनों में से एक है।

विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन प्लेसमेंट प्रदर्शन, शिक्षण-शिक्षण संसाधन और शिक्षाशास्त्र, अनुसंधान, उद्योग आय और एकीकरण, प्लेसमेंट रणनीति और समर्थन, भविष्य की दिशा, और बाहरी धारणा और अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण जैसे प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर किया जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने इन सभी मापदंडों पर असाधारण प्रदर्शन किया है, 1000 में से 951.62 का प्रभावशाली स्कोर अर्जित किया है।

सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित राज्य विश्वविद्यालयों (गैर-चिकित्सा और गैर-तकनीकी) में, लखनऊ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश में शीर्ष रैंक वाला विश्वविद्यालय है और पंजाब विश्वविद्यालय और आंध्र विश्वविद्यालय के बाद राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर है। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा: श्यह राष्ट्रीय मान्यता हमारे संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावशाली शोध और समावेशी शैक्षणिक विकास पर हमारे निरंतर ध्यान को दशार्ता है।

विश्वविद्यालय उत्कृष्टता की अपनी यात्रा जारी रखने और भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में सार्थक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।र यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और एक सदी से अधिक समय तक फैली इसकी शानदार विरासत में एक और उपलब्धि जोड़ती है।